

# आदेश-पत्रक

(देखें अभिलेख हस्तक, 1941 का नियम-126)

आदेश पत्रक ता० :- ..... से - ..... तक

जिला :- शाहवा सं० - 741 सन् 20 16 - 20 17

केश का प्रकार :- सीमांकन के संबंध में।

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्यवाही के बारे में टिप्पणी तारीख सहित												
<p><u>8.2.17</u></p>	<p>श्री <u>श्री. सुनील कुमार</u>                      वल्द श्री <u>विश्वनाथ कुमार</u>                      ग्राम <u>सहिपना</u> पोस्ट <u>शाहवा</u>                      थाना <u>शाहवा</u> जिला <u>शाहवा</u>                      ने अपने भूमि का सीमांकन हेतु आवेदन पत्र दिया है जिसका विवरण निम्नवत है:-</p> <table border="1" data-bbox="524 1342 1627 1542"> <thead> <tr> <th colspan="4">भूमि का विवरण</th> </tr> <tr> <th>ग्राम</th> <th>खाता सं०</th> <th>प्लॉट सं०</th> <th>रकबा</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td><u>सहिपना</u></td> <td><u>186-</u></td> <td><u>04</u></td> <td><u>0.17.28</u></td> </tr> </tbody> </table> <p>हल्का कर्मचारी/अंचल अमीन उक्त भूमि का जाँच प्रतिवेदन दें कि प्रश्नागत भूमि किसकी है तथा मापी हेतु कितना समय लगेगा ताकि मापी शुल्क जमा कराया जा सके।</p> <p>अंचल पदा० <u>शाहवा</u></p> <p>अभिलेख प्रस्तुत किया गया। हल्का कर्मचारी / अंचल अमीन के प्रतिवेदन का अवलोकन किया। तदनुरूप आवेदक को मापी शुल्क के रूप में मो० <u>1200/-</u> / रु. जमा करने का आदेश दिया जाता है। अंचल नाजीर उक्त राशि की जमा का नाजीर रसीद निर्गत करें। साथ ही अंचल अमीन को आदेश दिया जाता है कि उक्त भूमि का सीमांकन करके दिनांक ..... तक अपना प्रतिवेदन दें। अपने स्तर से सभी पक्षों को अवगत करा दें।</p> <p>अंचल पदा० <u>शाहवा</u></p>	भूमि का विवरण				ग्राम	खाता सं०	प्लॉट सं०	रकबा	<u>सहिपना</u>	<u>186-</u>	<u>04</u>	<u>0.17.28</u>	<p>N.R. No. <u>168931-</u> मो० 200 रु. (शुल्क देखा है) अंचल पदा० <u>शाहवा</u></p>
भूमि का विवरण														
ग्राम	खाता सं०	प्लॉट सं०	रकबा											
<u>सहिपना</u>	<u>186-</u>	<u>04</u>	<u>0.17.28</u>											

18/2/17

11.3.19

अभिज्ञान शिववाचिपत्र ।

है।

अंगल आगिन से शीमांकन प्रसिद्ध प्राप्त

पिपसा में दिखने से ही आदि का ~~विशेष~~ -  
अंगिता देवी का भूमि पर वर्तमान दरवत्त -  
कल्पना नहीं है।

आदि का दरवत्त-कल्पना का निर्धारण  
के द्वारा अंगिता का साफ है है।

अंगल आगिन से अंगिता प्रसिद्ध के आदि  
पर अभिज्ञान की कार्यवाही साफ की जाती है।

11.3.19

अंगल आदि का  
गदवा ।